सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 302
11/04/2017

गाँधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुँचायेंगे :– मुख्यमंत्री

पटना, 11 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज चम्पारण सत्याग्रह स्मृति समारोह के अवसर पर कहा कि आज से सौ साल पहले बापू मुजफ्फरपुर आये थे। राजकुमार शुक्ल जी और कई लोगों के प्रयत्न से गॉधी जी चम्पारण आये थे। गॉधी जी के चम्पारण आने में राजकुमार शुक्ल जी की भूमिका अग्रणी रही। सौ साल पहले 10 अप्रैल को गॉधी जी मुजफ्फरपुर आये थे। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि यह वही प्रांगण है, जहॉ गॉधी जी आये थे। आचार्य जी0वी0 कृपलानी यहॉ शिक्षक रहे थे। विद्यार्थियों के साथ वे गॉधी जी के स्वागत में गये थे तथा गॉधी जी ने यहॉ रात्रि विश्राम किया था। गॉधी जी ने यहॉ स्थित कुऑ के पानी से स्नान किया था। यहॉ के बाद गॉधी जी गया बाबू के यहॉ ठहरे थे। 11 अप्रैल को ही गॉधी जी ने ग्रामीणों द्वारा उनकी समस्याओं को सुना। राजकुमार शुक्ल जी द्वारा कही गयी सारी बातों को सही पाया। 11 अप्रैल को ही वहॉ के किसानों की समस्याओं को लेकर प्लांटर्स एसोसिएशन के सचिव जेम्स विलसन और गॉधी जी से वार्ता हुयी। गॉधी जी एवं जेम्स विलसन के उन ऐतिहासिक वार्ता को अभी–अभी बेहतरीन ढ़ंग से यहॉ मंचित किया गया, इसके लिये मैं आयोजकों को बधाई देता हूँ। 13 अप्रैल को गॉधी जी तिरहुत कमिश्नर से भी मिले थे। गॉधी जी लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुने। 18 अप्रैल को एस0डी0ओ0 कोर्ट में गॉधी जी की पेशी हुयी, जहॉ अपार समर्थन देखते हुये गॉधी जी को बिना जमानत के छोड़ना पड़ा। साथ ही साथ मुकदमा भी उठाना पड़ा। 22 अप्रैल तक और लोग जुड़े तथा सबका सहयोग मिला, माहौल बनता गया। अंग्रेजी हुकूमत पस्त हो गयी थी। जॉच कमिटी बनायी गयी, जिसमें गॉधी जी भी एक सदस्य के रूप में थे। आयोग ने अपना रिपोर्ट सौंपा, अंततोगत्वा घृणित तीनकठिया प्रथा की समाप्ति हुयी। चम्पारण सत्याग्रह सफल हुआ। आजादी की लड़ाई में नया मोड़ आया। चम्पारण सत्याग्रह की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। जोर पकड़ती गयी और तीस साल के अंदर देश आजाद हो जाता है। आज हम पूरे जोश एवं उत्साह के साथ चम्पारण सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। दो दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया। देश के तमाम गॉधीवादी विचारकों ने इस विमर्श में हिस्सा लिया। नब्बे साल के गॉधीवादी चन्द्रशेखर धर्माधिकारी, श्री सच्चिदानंद सिंह, श्री राजेन्द्र सच्चर, श्री गोपाल कृष्ण गॉधी, श्री तुषार गॉधी, तारा गॉधी आदि ने राष्ट्रीय विमर्श में हिस्सा लिया। विमर्श में संकल्प भी निर्गत हुआ। आज लोग गॉधी जी का सिर्फ नाम लेते हैं, उनके विचारों का अनुसरण नहीं करते हैं। हम सभी संकल्प लेते हैं कि उनके विचारों का अनुपालन करेंगे। चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह सिर्फ आयोजनों तक सिमटे नहीं बल्कि उनके विचार एवं संदेशों को अंतःकरण में उतारने की जरूरत है। पटना में 17 अप्रैल को देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जायेगा, जहॉ सभी दलों के सदस्य उपस्थित रहेंगे। दक्षिण भारत के भी स्वतंत्रता सेनानियों ने भी आने की अपनी सहमति जाहिर की है। 18 अप्रैल को मोतिहारी में स्मृति यात्रा होगी। हमारा मकसद है गॉधी जी के विचारों को घर–घर दस्तक देना। गॉधी जी के विचारों पर फिल्म बनाकर भी एक–एक गॉव, सौ तक के बसावट वाले टोलों तक दिखायेंगे। साथ ही स्कूल में बच्चों को रोज गॉधी जी से जुड़ी कहानी प्रार्थना के बाद बताया जायेगा ताकि वे गॉधी जी के विचारों से अवगत हो। उन्होंने कहा कि हम गॉधी जी के विचारों को घर–घर तक पहुँचायेंगे। हर छात्र–छात्रा को इससे अवगत करायेंगे। अगर नई पीढ़ी का दस प्रतिशत भी गॉधी जी के विचारों के प्रति आकर्षित हो जाय तो आने वाले 10 से 15 साल में समाज बदल जायेगा। गॉधी जी हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास से जोड़ना चाहते

थे। हमारी जितनी योजनायें हैं, इसी कसौटी पर आधारित है। सात निश्चय कार्यक्रम अन्तर्गत हर घर नल का जल, हर घर बिजली लगातार, हर गॉव में पक्की गली–नाली, हर घर शौचालय बनायी जा रही है। जो गॉधी जी के सामाजिक विकास के सपने को साकार करेंगे। शराबबंदी 1 अप्रैल 2016 से लागू किया गया। 5 अप्रैल से पूर्ण शराबबंदी लागू की गयी। कुछ लोग इसे अपनी आजादी हनन से जोड़कर देखने लगे, पर अच्छा काम करने पर शुरू में लोग मजाक उड़ाते हैं, विरोध करते हैं और फिर साथ हो जाते हैं। जन चेतना के तहत इसे लागू कर रहे हैं। लोगों में जागरूकता फैला रहे हैं। लोग नशामुक्ति के पक्ष में 21 जनवरी 2017 को विशाल मानव श्रृंखला का अंश बने। चार करोड़ लोगों ने मानव श्रृंखला में हिस्सा लिया। बिहार का एक तिहाई हिस्सा शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में खड़े रहे। नशामुक्ति एवं शराबबंदी के पक्ष में भाव प्रकट करने के लिये जनभावना का प्रकटीकरण हुआ, इसके लिये मैं धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया है कि एन0एच0 एवं एस0एच0 के पॉच सौ मीटर की दूरी के अंदर शराब की दुकानें नहीं खोली जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि कुछ राज्यों में एन0एच0 और एस0एच0 को डिनोटिफाइड किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से हम गॉधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुँचायेंगे ताकि लोगों का विचार बदले। शराबबंदी से दुर्घटना में कमी आयी है। चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल, गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश उत्सव के इस नशामुक्त माहौल में एन0एच0 एवं एस0एच0 को डिनोटिफाइड करने में लोग कामयाब नहीं होंगे। बापू के प्रभाव को कम नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भी इसके लिये हम अपील करेंगे। प्रधानमंत्री जब से गुजरात में मुख्यमंत्री थे तब से वहॉ शराबबंदी लागू है। 2019 में बापू के 150वीं जयंती मनाई जायेगी। पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके विचारों को अमल करना एवं नशामुक्त समाज बनाना गॉधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा ये सामाजिक कुरीतियॉ हैं। हम लोगों से अपील करते हैं कि ऐसे बाल विवाह एवं दहेज लेन–देन वाले शादी विवाह में शिरकत न करें। बाल विवाह होने का दुष्प्रभाव है, बच्चे कुपोषण एवं बौने हो रहे हैं। नवजात मृत्यु दर में लड़कों में कमी आयी है, पर लड़कियों में कमी नहीं आयी है। हम सिर्फ विकास की बात नहीं करते हैं बल्कि सामाजिक न्याय के साथ विकास की बात करते हैं। आज मुझे इस धरती पर मौका मिला है, यह सौभाग्य की बात है। बापू के विचार को आगे बढ़ायेंगे। आप सबसे अपील है कि समाज में असहिष्णुता, तनाव से मुक्त करें। प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारा का माहौल बनाये रखें। आप सभी उपस्थित लोग यह संकल्प लें कि यही माहौल बना रहेगा और सभी लोग आगे बढेंगे, गॉधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर वित मंत्री श्री अब्दुलबारी सिद्दीकी, कृषि मंत्री श्री रामविचार राय, विधायक श्री सुरेश शर्मा, विधायक श्री सुरेन्द्र कुमार, विधायक श्री राजीव रंजन, विधायक श्री केदार गुप्ता, विधायक श्री अशोक चौधरी, पूर्व मंत्री श्री रमई राम, पूर्व मंत्री श्री मनोज कुशवाहा, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, आई0जी0 तिरहुत प्रक्षेत्र श्री सुनील कुमार, तिरहुत प्रमण्डल के आयुक्त श्री अतुल प्रसाद, बिहार विश्वविद्यालय के वी0सी0 श्री अमरेन्द्र नारायण यादव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

*****